9 महीने बाद सुरंग से आरपार हुई टनल बोरिंग मशीन

मुंबई मेट्रो-3 के नए युग का जन्म

Damodar.Vyas
@timesgroup.com

■ **मुंबई:** गत 8 जनवरी 2018 को मेट्रो-3 के एक सेक्शन के लिए टनल बोरिंग मशीन द्वारा सुरंग का काम शुरू किया गया था। ये मशीन पाली (मरोल) के शाफ्ट में उतारी गई थी। 24 सितंबर 2018 को यह मशीन 1.26 किमी टनल का काम पूरा करके एयरपोर्ट टर्मिनल-2 के पास स्थित शाफ्ट से टीबीएम बाहर आई। मरोल से टी-2 की यह दूरी तय करने में टीबीएम को 259 दिन लगे हैं। यह पहली टीबीएम (वैनगंगा-1) मशीन है, जो निर्धारित सेक्शन में काम करके बाहर निकली है। 33.5 किमी लंबे मेट्रो-3 कॉरिडोर के लिए 7 शाफ्ट बनाए गए हैं। 1.26 किमी के काम के लिए 250 इंजिनियर और उनकी टीमें लगी हुई थीं।

मुंबई में होगा मेट्रो का जाल

भविष्य में मुंबई लोकल हो या मेट्रो, इन सभी लाइनों को जोड़ा जाएगा। मेट्रो-3 के पैकेज-7 को भी मरोल नाका स्थित वर्सोवा-अंधेरी-घटकोपर मेट्रो-1 और जोगेश्वरी वर्सोवा लिंक रोड के पास स्वामी समर्थ नगर-जोगेश्वरी-कांजूरमार्ग-विक्रोली मेट्रो-6 से जोड़ा जाएगा। मेट्रो-3 परियोजना पूरी तरह से अंडर ग्राउंड है। एमएमआरसीएल के मुताबिक अब तक मेट्रो-3 की 9 किलोमीटर सुरंग का काम पूरा हो चुका है। 14 टनल बोरिंग मशीनें मुंबई के विभिन्न इलाकों में अंडर ग्राउंड टनल की खुदाई कर रही हैं।

> 'अगले 3-4 सालों में मुंबई में 270 किमी मेट्रो नेटवर्क बिछा दिया जाएगा। मेट्रो-3 भी इस परियोजना का अहम हिस्सा है। मैं सौभाग्यशाली हूं, जो मेट्रो-3 की सुरंग से पहली टीबीएम बाहर निकलते हुए देख रहा हूं।'
> ***-देवेंद्र फडणवीस, मुख्यमंत्री***

तेज रफ्तार के लिए धीमी चाल

वैनगंगा-1 टीबीएम से रोजाना 4.6 मीटर सुरंग बनती है। ये मशीन 92 मीटर लंबी है। सुरंग बनाते हुए इस मशीन द्वारा रोजाना 901 सीमेंट की रिंग भी फिट कर दी जाती है, जो सुरंग की दीवार को सुरक्षित करती हैं। अब तक के काम में कुल 19,40,254 क्यूबिक मीटर कीचड़-मिट्टी निकल चुकी है। इस पूरी मिट्टी को तलावाली पिसे में ठिकाने लगाया जाएगा। अब तक कॉन्ट्रैक्टर द्वारा कुल 2.5 क्यूबिक मीटर मिट्टी को ठिकाने लगाया जा चुका है। अब तक 17 टीबीएम मशीनें सुरंग के काम में लगी हुई हैं। अगले महीने तक 3 और मशीनें सुरंग के काम में लग जाएंगी।